



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 375]
No. 375]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 30, 1979/अग्रहायण 9, 1901
NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 30, 1979/AGRAHAYANA 9, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1979

सीमा-शुल्क

सा० का० वि० 657(अ)—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 79-सीमा-शुल्क, तारीख 16 अक्टूबर, 1974 को अधिस्तित करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपाखण्ड में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् माल कहा गया है) जब भारत में उनका आयात शान्ता कुर्ज इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात प्रसंस्करण जोन, (जिसे इसमें इसके पश्चात् जोन कहा गया है), जो महाराष्ट्र औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मारेले औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट सं० व-1 में स्थित है और जिसकी सीमाएं पैरा-2 में विनिर्दिष्ट की गई हैं, में प्रयोग भारत से बाहर निर्यात के लिए इलेक्ट्रॉनिक माल के विनिर्माण या पैकेज के सम्बन्ध में या इलेक्ट्रॉनिक माल के ऐसे निर्यात के संबंधन के लिए किया जाता है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय संपूर्ण सीमा-शुल्क से और द्वितीय उल्लिखित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय प्रतिरिक्त शुल्क, यदि कोई है, से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

(1) आयातकर्ता को जोन में विनिर्माण इकाई या इकाइयों स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;

(2) आयातकर्ता को माल के आयात के लिए, आवश्यक अनुज्ञापत्र अनुवत कर दिया गया है;

(3) आयातकर्ता सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर का यह समाधान कर देता है कि इस प्रकार आयातित माल का प्रयोग भारत से बाहर निर्यात के लिए इलेक्ट्रॉनिक माल के निर्माण और पैकेज के संबंध में या इलेक्ट्रॉनिक माल के ऐसे निर्यात के संबंधन के लिए किया जाएगा;

(4) आयातकर्ता एक बन्ध पत्र ऐसे प्रकृष में और ऐसी रकम के लिए जो जोन विकास आयुक्त विहित करे, निष्पादित करके निर्यात बाध्यताएं पूरी करने और अन्य बातों के साथ-साथ, इस अधिसूचना में अनुबद्ध शर्तों को पूरा करने के लिए स्वयं का प्राबन्ध करे;

(5) आयातकर्ता यह करार करे कि, वह,—

(क) माल को जोन में लाएगा और उसका प्रयोग भारत से बाहर निर्यात के लिए इलेक्ट्रॉनिक माल के विनिर्माण या पैकेज के संबंध में जोन के भीतर ही या इलेक्ट्रॉनिक माल के ऐसे निर्यात के संबंधन के लिए जोन के भीतर ही करेगा;

(ख) इस प्रकार विनिर्मित या पैक किया गया सभी इलेक्ट्रॉनिक माल भारत से बाहर निर्यात करेगा या यथास्थिति ऐसे माल का प्रयोग कर्मचारों को प्रशिक्षण देने या ऐसा माल (या पैकेज) उक्त जोन के भीतर बिक्रय करने के लिए करेगा;

(ग) ऐसे विनिर्माण या पैकेज से उद्भूत सभी अवशिष्ट को, कलक्टर, सीमा-शुल्क द्वारा अनुमोदित रीति से निर्यात करेगा या उसका व्यय करेगा;

(6) आयातकर्ता माल के आयात, उपभोग और उपयोग तथा अपने द्वारा किए गए निर्यात का उचित लेखा रखेगा और सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर को ऐसे प्रकृष में और ऐसी रीति से कालिक विवरणियां भेजेगा जो सीमा-शुल्क कलक्टर अधिकाधिक करे;

(7) आयातकर्ता, माल की जाने पर निम्नलिखित पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय करेगा, अर्थात्—

(क) ऐसे माल पर, जो कि पूंजीगत माल है और जिसकी बाबत सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर को समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि,—

(i) वह जोन के भीतर संस्थापित किया गया है या प्रत्यक्षा प्रयुक्त हुआ है या उसके आयात किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी किसी बड़ाई गई अवधि के भीतर, जैसी सहायक कलक्टर यह समाधान हो जाने पर अनुज्ञात करें कि जोन के भीतर उसका प्रयोग न किए जाने के या उक्त अवधि के भीतर उसके पुनः निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण हैं, उसका पुनः निर्यात किया गया है ;

(ii) वह संस्थापन के पश्चात् जोन के भीतर प्रतिधारित या जोन के अन्दर प्रयोग किया गया है ;

(ख) पूंजीगत माल से भिन्न माल पर, जिसकी बाबत सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर को समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि,—

(i) उसका प्रयोग भारत से बाहर निर्यात के लिए (जोन के भीतर) इलेक्ट्रॉनिक माल के विनिर्माण या पैकेज के संबंध में या ऐसे माल के निर्यात के संवर्धन के लिए किया गया है या उसके आयात किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी किसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जैसी कि सहायक कलक्टर यह समाधान हो जाने पर अनुज्ञात करें कि जोन के भीतर उसका प्रयोग न किए जाने के या उसे पुनः निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण हैं, उसका पुनः निर्यात किया गया है ;

(ii) इलेक्ट्रॉनिक माल के निर्यात के संवर्धन के संबंध में जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है ;

(ग) इस प्रकार विनिर्मित या पैक किए गए ऐसे इलेक्ट्रॉनिक माल पर, जिसका भारत से बाहर निर्यात नहीं किया गया है और ऐसे अप्रयुक्त माल पर, जिसके अन्तर्गत वह माल भी है जो जो धार-वार प्रयोग के योग्य है, जो ऐसे माल के आयात की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी किसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जैसी कि सहायक कलक्टर यह समाधान हो जाने पर अनुज्ञात करें कि उक्त अवधि के भीतर ऐसे माल का निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण हैं, उसका निर्यात नहीं किया गया है ।

(8) सहायक कलक्टर ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, जैसी वह अधिरोपित करे, किसी भी आयातित माल या उससे विनिर्मित या पैक किया गया इलेक्ट्रॉनिक माल अस्थायी रूप में बिना शुल्क का संदाय किए, मरम्मत, प्रसंस्करण या प्रदर्शन के लिए, जोन से बाहर से जाने की अनुज्ञा दे सकता है और आयातकर्ता ऐसी शर्तों और परिसीमाओं को पूरा करने के लिए बाध्य होगा ।

(9) सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान के अधीन रहते हुए, निम्नलिखित माल की बाबत शुल्क उद्ग्रहणीय नहीं होगा, अर्थात्—

(क) ऐसा माल जिसकी क्षति या जिसका भाग आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानबूझ कर किए गए कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण नहीं हुआ है ;

(ख) ऐसा माल जिसकी क्षति या क्षय आयातकर्ता, उसके कर्मचारी या अधिकर्ता के जानबूझ कर किए गए कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण नहीं हुआ है और जो जोन के भीतर इलेक्ट्रॉनिक माल के विनिर्माण या पैकेज के प्रयोग के लिए अनुपयुक्त हो गया है ;

(ग) ऐसे विनिर्माण के अनुक्रम के उद्भूत स्क्रैप या अपशिष्ट सामग्री किन्तु यह तब जब ऐसा स्क्रैप या अपशिष्ट सामग्री इतनी हो जो केन्द्रीय सरकार इस संबंध में विनिर्दिष्ट करे और जब वह जोन के भीतर सफ्ट कर दी जाए ;

(घ) जोन में विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक माल या पैकेज के नमूने, जिन्हें परीक्षण के लिए जोन के बाहर ऐसी शर्तों के अधीन ले जाने के लिए उचित अधिकारी द्वारा अनुज्ञा दी जाती है जैसी कि वह इस संबंध में विनिर्दिष्ट करे और जिसकी खपत ऐसे परीक्षण के दौरान हो जाए ;

(ङ) जोन के भीतर अध्ययन या अभिकल्पन के लिए आयातित इलेक्ट्रॉनिक माल के नमूने, जो विनिर्माण संक्रियाओं के अनुक्रम में टूट-फूट जाते हैं और वाणिज्य दृष्टि से महत्वहीन हो जाते हैं ;

(च) जोन के भीतर कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रयुक्त माल या जोन के भीतर विक्रीत माल ;

(छ) जोन में विनिर्मित ऐसा माल, जिसे मरम्मत, प्रसंस्करण या प्रदर्शन के लिए अस्थायी रूप में जोन के बाहर ले जाने की अनुज्ञा दी जाए ;

(ज) माल के बही अतिशेष और अभिविनिर्मित अतिशेष के बीच ऐसा कोई अन्तर जो समुचित अधिकारी को समाधान प्रद रूप में सही साबित हो जाए ।

2. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ जोन प्लॉट संख्याक ज-1 के उन स्थानों से मिलकर बनेगा जो तालुका अंधेरी के परजापुर और व्यारावली ग्रामों की सीमाओं के भीतर महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के मारेल औद्योगिक क्षेत्र में है और जो अब रजिस्ट्रीकरण उप जिला और मुम्बई जिला तथा मुम्बई उपनगर में है, और जिसका क्षेत्रफल 3,75,013 वर्गमीटर या उसके लगभग है और जिसके—

उत्तर में, सड़क और दुध कालोनी भूमि; दक्षिण में, सड़क; पूर्व में पाईप लाइन और दुध कालोनी भूमि और पश्चिम में सड़क है ।

उपावय

क्रम संख्यांक	माल का वर्णन
1.	मशीनरी
2.	कच्ची सामग्री
3.	संघटक
4.	मशीनरी के प्रतिरिक्त पुर्जे
5.	खपत में आने वाली वस्तुएं
6.	औजार, जिग, गेज, फिक्सर और उपसाधन
7.	पैकेज सामग्री
8.	कार्यालय उपस्कर और उसके प्रतिरिक्त पुर्जे तथा खपत में आने वाली वस्तुएं
9.	विकास और विविधरूपण के लिए प्रोटोटाइप तकनीकी और व्यवसायिक नमूने
10.	ऐसा माल जो जोन से उसके किए गए निर्यात की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर, इस कारण पुनः आयातित किया जाता है कि विदेशी केना उसका परिदान लेने में असफल रहा है या उसमें मरम्मत अपेक्षित है
11.	जोन में अनुमोदित जहाँ प्रसंस्करण उद्योग के लिए अपेक्षित रेखाचित्र, ब्लूप्रिंट, चार्ट तकनीकी डाटा जिसके अन्तर्गत माइक्रोफिल्म भी हैं
12.	मरम्मत या पुनः अनुकूलन के लिए प्राप्त ऐसा माल जिसे पुनः अनुकूलन के पश्चात् पुनः निर्यात किया जाना है ।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th November, 1979

CUSTOMS

G.S.R.657(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 79-Customs, dated the 16th October, 1974, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as goods) when imported into India for the within the Santa Cruz Electronics Export Processing Zone (hereinafter referred to as the Zone) comprising of plot No. F-1 in the Maharashtra Industrial Development Corporation's Marel Industrial Area and enclosed by the boundaries specified in paragraph 2, in connection with the manufacture or packaging of electronic goods for export out of India, or with the promotion of such exports of electronic goods, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the first Scherule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer has been authorised to establish manufacturing unit or units in the Zone;
- (2) the importer has been granted necessary licence for the import of goods;
- (3) the importer satisfies the Assistant Collector of Customs that the goods so imported will be used in connection with the manufacture or packaging of electronic goods for export out of India or with the promotion of such exports of electronic goods;
- (4) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as has been prescribed by the Development Commissioner of the Zone binding himself to fulfil the export obligations, and to fulfil, inter alia the conditions stipulated in this notification;
- (5) the importer agrees—
 - (a) to bring the goods into the Zone and use them within the Zone in connection with the manufacture or packaging of electronic goods for export out of India or with the promotion of such exports of electronic goods;
 - (b) to export out of India, all electronic goods so manufactured or packaged or to use such goods for imparting training to workers or to sell such goods (or packages) within the said Zone, as the case may be;
 - (c) to export or dispose of in the manner approved by the Collector of Customs, all remnants arising out of such manufacture or packaging;
- (6) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilization of goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Assistant Collector of Customs, in such form and in such manner as may be laid down by the Collector of Customs;
- (7) the importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable—
 - (a) on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been—
 - (i) installed or otherwise used within the Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;

- (ii) retained within the Zone after installation or use inside the Zone;
- (b) on goods other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been
 - (i) used in connection with the manufacture or packaging of electronic goods (within the Zone) for export out of India or with the promotion of export of such goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the Zone in connection with the promotion of exports of electronic goods;
- (c) on electronic goods so manufactured or packaged as have not been exported out of India, and on unused goods, including those capable of repeated use as have not been exported within a period of one year from the date of importation of such goods or within such extended period as the Assistant Collector may, on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;
- (8) the Assistant Collector may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him, permit any goods imported or electronic goods manufactured or packaged there from to be taken outside the Zone temporarily without payment of duty for repairs, processing or display, and the importer shall be bound to comply with such conditions and limitations;
- (9) subject to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs, duty shall not be leviable in respect of the following goods, namely :—
 - (a) goods lost or destroyed not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent;
 - (b) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent and, therefore, not suitable for use in the manufacture of electronic goods or packaging within the Zone;
 - (c) scrap or waste material arising in the course of such manufacture if such scrap or waste material is within such limits as may be specified in this behalf by the Central Government and destroyed within the Zone;
 - (d) samples of electronic goods manufactured or packaged in the Zone which are allowed by the proper officer to be sent for test outside the Zone subject to such conditions as he may specify in this behalf and which are consumed in the course of such test;
 - (e) samples of electronic goods imported for study or design within the Zone, which, in the course of manufacturing operations have been broken up and rendered insignificant in commercial value;
 - (f) goods used for imparting training to workers within the Zone or goods sold within the Zone;
 - (g) goods manufactured in the Zone and which are allowed to be taken outside the Zone temporarily for repairs, processing or display;
 - (h) any variations between the book balance and ascertained balance of the goods as is proved to the satisfaction of the proper officer to be genuine.

2. For the purpose of this notification, the Zone shall comprise of the places bearing plot No. F-1 in the Marel

Industrial Area of Maharashtra Industrial Development Corporation within the village limits of Parjapur and Vyaravli, Taluka Andheri, and now in the Registration Sub-district and District of Bombay and Bombay Suburban, containing by admeasurement 3,75,013 sq. metres or thereabouts and bounded—

On or towards the North, by Road and Aarey Milk Colony land, on or towards the South by road, on or towards the East, by pipe line and Aarey Milk Colony land and on or towards the West, by Road.

ANNEXURE

Sl. No. (1)	Description of Goods (2)
1.	Machinery
2.	Raw materials
3.	Components
4.	Spare parts of machinery
5.	Consumables
6.	Tools, Jigs, Gauges, Fixtures and Accessories
7.	Packaging materials
8.	Office equipments, spares and consumables thereof
9.	Prototypes, technical and Trade samples for development and diversification
10.	Goods re-imported within 1 year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.
11.	Drawings, Blue prints, Charts, Technical Data including micro films required for the approved data processing industry in Zones
12.	Goods received for repairs or re-conditioning and to be exported after repairs or re-conditioning.

[No. 227 F. No. 370/143/76-Cus. I]

सा. का. नि. 658(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 31 की

उप-धारा (4) के साथ पठित, सीमा-शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 104, सीमा-शुल्क, तारीख 10 मई, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में,—

(क) क्रम संख्यांक 44 का लोप किया जाएगा,

(ख) क्रम संख्यांक 232 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“232 संख्या 227 सीमा-शुल्क, तारीख 30 नवम्बर, 1979”

[संख्या 228/फा. सं. 370/143/76-सी. शू. 1]

के. चन्द्रमौली, अवर सचिव

G.S.R. 658(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 31 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 104-Customs, dated the 10th May, 1979, namely :—

In the Schedule to the said notification,—

(a) Serial number 44 shall be omitted;

(b) after Serial No. 232 and the entries relating thereto the following shall be inserted namely :—

“233. No. 227-Customs, dated the 30th November, 1979.”

[No. 228 F. No. 370/143/76-Cus.-I]

K. CHANDRAMOULI, Under Secy.